



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 138]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 1995/चैत्र 9, 1917

No. 138]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 30, 1995/CHAITRA 9, 1917

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1995

मा.का.नि. 302 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 (1925 का पंचाव अधिनियम 8) की धारा 146 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिख गुरुद्वारा बोर्ड निर्वाचन नियम, 1959 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सिख गुरुद्वारा बोर्ड निर्वाचन (संशोधन) नियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सिख गुरुद्वारा बोर्ड निर्वाचन नियम, 1959 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में,—

(1) नियम 3 के उप नियम (1) के परन्तुक में, “प्ररूप 1” शब्द और अंक के स्थान पर “प्ररूप

1 और प्ररूप 1क” शब्द अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(2) नियम 32 में,—

(क) खण्ड (ग) में, “प्रायुक्त” शब्द में शब्द “मुख्य प्रायुक्त गुरुद्वारा निर्वाचन,” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे; और

(ख) खण्ड (घ) में “कर्तव्य” शब्द के पहले “निर्वाचन के संबंध में” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(3) प्ररूप 1 और उसमें की प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) प्ररूप 1 (केन्द्रीय सिख के लिए)

नियम 3(1)

में ..... का/की पुत्र/पत्नी/पुत्री  
..... प्रायु

का निवासो यह घोषणा करता/करती है कि मैं .....

- (क) केशधारी सिख हैं;
- (ख) अपनी दाढ़ी नहीं बनाता है या केश नहीं कतरता/कतरती है;
- (ग) किसी भी रूप में, धूम्रपान नहीं करता/करती है या कुट्टा (हलाल) मांस का उपयोग नहीं करता/करती है;
- (घ) मद्यमार्गिक पेय नहीं लेता/लेती है; और
- (ङ) पतित नहीं है।

हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

पतित में अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति, जो केशधारी सिख होने हुए अपनी दाढ़ी बनाता है या केश कतरता है या जो अमृत छाने के पञ्चान चार कुन्हतों में से कोई एक या अधिक करता है। [अधिनियम की धारा 2(11)(i)]

किसी निरक्षर व्यक्ति की दशा में, उसे उस घोषणा को दुहराना चाहिए, जो प्रारूप में पढ़ी जाए, और तब प्रारूप पर अंगूठा निशान लगाना चाहिए [नियम 3 के उपनियम (1) का परन्तुक]

(अनुसूचित जाति के आवेदक द्वारा की जाने वाली अनिश्चित घोषणा)

में घोषणा करना/करती है कि मैं ..... जाति का सदस्य हूँ जो संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन अनुसूचित जाति के रूप में घोषित की गई है।

हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

(ख) प्रारूप 1क (सहजधारी सिख के लिए)

[नियम 3(1)]

मैं ..... का/की पुत्र/पत्नी/पुत्री

..... आय

..... का निवासी यह घोषणा

करता/करती है कि—

मैं एक सहजधारी सिख हूँ और मैं—

- (क) सिख हस्तों के अनुसरण करने का पालन करता/करती है;
- (ख) किसी भी रूप में, धूम्रपान नहीं करता/करती है या कुट्टा (हलाल) मांस का उपयोग नहीं करता/करती है;
- (ग) मद्यमार्गिक पेय का उपयोग नहीं करता/करती है;
- (घ) पतित नहीं है; और
- (ङ) मैंने सख्त का पाठ कर सकता/सकती हूँ।

हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

पतित में अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति, जो केशधारी सिख होने हुए अपनी दाढ़ी बनाता है या केश कतरता है या जो अमृत छाने के पञ्चान चार कुन्हतों में से कोई एक या अधिक करता है। [अधिनियम की धारा 2(11)(i)]

किसी निरक्षर व्यक्ति की दशा में, उसे उस घोषणा को दुहराना चाहिए, जो प्रारूप में पढ़ी जाए, और तब प्रारूप पर अंगूठा निशान लगाना चाहिए [नियम 3 के उप नियम (1) का परन्तुक]

(अनुसूचित जाति के आवेदक द्वारा की जाने वाली अनिश्चित घोषणा)

में घोषणा करना/करती है कि मैं ..... जाति का सदस्य हूँ जो संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन अनुसूचित जाति के रूप में घोषित की गई है।

हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

(4) उस नियम में संलग्न प्रारूप 4 में, "(अक्षरों द्वारा भरा जाए)"

कोष्ठक और प्रारूपों के नीचे "घोषणा" शब्द अंतःस्थापित किया जाएगा।

(5) उस प्रारूप 4 की "घोषणा" में, विद्यमान खंड (ग) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा और पुनःसंख्यांकित खंड (ग) में पहले निर्दिष्ट खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(3) मैं सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 की धारा 45 में प्रणयित किसी भी अपाठना से ग्रस्त नहीं हूँ।"

[सं. 17012/3/95-आई एम (डी-1)]

सी.डी.आर.ए., गवर्नर सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1995

G.S.R. 362(E).—In exercise of the powers conferred by section 146 of the Sikh Gurdwara Act, 1925 (Punjab Act 8 of 1925), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Sikh Gurdwara Board Election Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Sikh Gurdwara Board Election (Amendment) Rules, 1955.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Sikh Gurdwara Board Election Rules, 1959 (hereinafter referred to as the said rules),—

(a) in the proviso to sub-rule (1) of rule 3 for the word "Form II" the words, figures and letter "Form I and Form 1A" shall be substituted;

(b) in rule 32,—

(i) in clause (c) before the word "Commissioner" the words "Chief Commissioner Gurdwara Elections," shall be inserted; and

(ii) in clause (d) after the word "duty" the words "in connection with elections" shall be added.

(iii) for Form I and entries therein, the following shall be substituted, namely :—

“(a) Form I (For Keshadhari Sikh)

[rule 3(i)]

Son

I— wife of

Daughter

Age— Residence.....

— hereby declare  
that I

- (a) am a Keshadhari Sikh;
- (b) do not trim or shave my beard or Keshas;
- (c) do not smoke or use Lutha (Hala) meat, in any form;
- (d) do not take alcoholic drinks; and
- (e) am not a ‘patit’;

Signature/Thumb Mark\*\*

\*Patit means a person, who being Keshadhari Sikh trims or shaves his beard or Keshas or who after taking Amrit commits any one or more of the four Kurahits. [Section 2(11) of the Act.]

\*\*In case of an illiterate he should repeat the declaration, as read out from the Form, and then thumb mark the Form [Proviso to rule 3 sub-rule (1)]

(Further declaration to be made by a Scheduled Caste applicant.)

I hereby declare that I am a member of the—  
caste which has been declared to be a Scheduled Caste under Article 341 of the Constitution.

Signature/Thumb Mark

(b) Form IA (For Sehajdhari Sikh)  
[rule 3(1)]

Son

I— wife of

Age— Residence—  
hereby declare that

I am a Sehajdhari Sikh and I—

- (a) perform ceremonies according to Sikh rites;
- (b) do not use tobacco or Lutha (Hala) meat, in any form;
- (c) do not use alcoholic drinks;
- (d) am not a ‘patit’; and
- (e) can recite moolmantar.

Signature/Thumb Mark\*\*

\*Patit means a person, who being Keshadhari Sikh trims or shaves his beard or Keshas or who after taking Amrit commits any one or more of the four Kurahits. [Section 2(11) of the Act.]

\*\*In case of an illiterate, he should repeat the declaration, as read out from the Form, and then thumb mark the Form [Proviso to Rule 3 sub-rule (1)].

(Further declaration to be made by a Scheduled Caste applicant.)

I hereby declare that I am a member of the—  
caste which has been declared to be a Scheduled Caste under Article 341 of the Constitution.

Signature/Thumb Mark\*\*

(iv) in Form IV appended to the said rules, the word “Declaration” shall be inserted below the brackets & words “To be filled by the candidate”.

(v) in the “Declaration” in the said Form IV, the existing clause (b) shall be re-numbered as clause (c) and before clause (c), as so re-numbered, the following clause shall be inserted, namely :—

“(b) that I do not suffer from any of the indignities enumerated in Section 45 of the Sikh Gurdwaras Act, 1925.”

[No. 17012/3/95-15-D.H.]

C. D. ARHA, Jt. Secy.

